हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन

(एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स ऑफ हरियाणा पावर यूटिलिटीज)

पंजीकरण संख्या. HR-012-2005-01121

hpea2002@gmail.com

अभि. विजेंद्र लांबा
अध्यक्ष
मोब. 9728706548
ईमेल:vs6837038@gmail.com

अभि. अनिल नागर
महासचिव
मोब.9417041213
ईमेल:anilnagar28041983@gmail.com

नोड: HPEA/ महाराष्ट्र पावर हड़ताल दिनांक 02.01.2023

माननीय मुख्यमंत्री,
महाराष्ट्र सरकार,
मुंबई

विषय:- अदानी इलेक्ट्रिकल नवी मुंबई लिमिटेड को समानांतर लाइसेंस के खिलाफ बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की हड़ताल सूचना।

आदरणीय महोदय,

कृपया ऊपर संदर्भित विषय पर एआईपीईएफ पत्र संख्या 98-2022 दिनांक 25.12.2022, 101-2022 दिनांक 29.12.2022 और 102-2022 दिनांक 31.12.2022 का संदर्भ लें जिसके माध्यम से आपसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया था ताकि MSEDCL के कार्य क्षेत्र में अदानी इलेक्ट्रिकल्स नवी मुंबई लिमिटेड को बिजली वितरण के समानांतर लाइसेंस महाराष्ट्र राज्य के बिजली उपभोक्ताओं के बड़े हित में खारिज कर सके।

यह भी पता चला है कि टोरेंट पावर ने समानांतर लाइसेंस के लिए कल्याण, वसई, पुणे, नागपुर, पिंपरी चिंचवाड़ मंत्रालय निगम और पुणे के पास एक बड़े चाकन एमआईडीसी में भी आवेदन किया है। इसके अलावा यह भी पता चला है कि टाटा पावर ने पीपीपी के आधार पर औरंगाबाद, जालना के

बिजली वितरण को संभालने के लिए महाराष्ट्र सरकार को रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत की है।

महाराष्ट्र के पावर सेक्टर के लिए यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है क्योंकि MSEDCL में कुल राजस्व का लगभग 50% इन क्षेत्रों से आ रहा है। यदि इन सभी क्षेत्रों को निजी कंपनियों को सौंप दिया जाता है तो MSEDCL पूरी तरह से दिवालिया हो जाएगा और आम उपभोक्ताओं के लिए बिजली खरीदने के लिए भी पैसे नहीं होंगे।

आप यह भी जानते हैं कि महाराष्ट्र के बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की संयुक्त कार्रवाई समिति (JAC) ने पहले ही 4 जनवरी 2023 से 72 घंटे की सांकेतिक हड़ताल का नोटिस दिनांक 01.03.2019 से प्रस्तुत कर दिया है तथा 18 जनवरी 2023 से अनिश्चितकालीन प्रभावी हड़ताल का दिया है। एआईपीईएफ के संदर्भ में, हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन (एचपीईए) भी आपको सूचित करना चाहता है कि हरियाणा सहित देश भर के बिजली कर्मचारी और इंजीनियर पूरे दिल से महाराष्ट्र पावर कर्मचारी और इंजीनियरों के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। यदि महाराष्ट्र के बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों को हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर किया जाता है तो महाराष्ट्र की बिजली आपूर्ति को बनाए रखने के लिए हरियाणा का कोई भी कर्मचारी या इंजीनियर उपलब्ध नहीं होगा और वे महाराष्ट्र के हड़ताली बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों के समर्थन में आने के लिए मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह महाराष्ट्र सरकार की होगी।

सस्नेह

अभि. अनिल नागर
महासचिव, एचपीईए

प्रति:

1. माननीय उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई।
2. प्रमुख सचिव (ऊर्जा), महाराष्ट्र सरकार, मुंबई।